महेन्द्र बहादुर सिहं
I.A.S.
मुख्य विकास अधिकारी
प्रतापगढ़

::संदेश::

नवनिर्वाचित पंचायतों के प्रधान प्रतिनिधियों के एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए तैयार किये गये प्रशिक्षण साहित्य को निर्गत करते हुए मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है।

लोकतंत्र की मूलभूत संस्थाओं के रूम में सीापित त्रिस्तरीय पंचायतों को मजबूत करने के लिए आवश्यक है कि पंचायतों को सुदृढ़ तथा सक्षम स्वरूपप्रदान किया जाये। हमारी त्रिस्तरीय पंचायती राज वयवस्था में प्रत्येक स्तर की भुमिका और कार्य पूर्णतः स्पष्ट हैं, जिसके अनुसार ग्राम पंचायत मुख्य क्रियावन्यन इकाई है। ग्राम पंचायतों के विकास के लिए आवष्यक है कि विकेन्द्रीकृत नियोजन की प्रक्रिया अपनाते हुए उपलब्ध संसाधनों का बेहतर प्रबंधन किया जाये। 14 वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के अनुरूप ग्राम पंचायतों को वार्षिक एवं दीर्घकालिक योजनाएं व रणनीति बनाकर कार्य करना होगा।

इस वर्ष पंचायत सामान्य निर्वाचन 2015 के पश्चात् नवनिर्वाचित प्रतिनिधि चुनकर आये हैं। एक दिवसीय प्रधानों के प्रशिक्षण के लिए प्रकाशित प्रशिक्षण साहित्य में नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को उनकी भूमिका, उत्तरदायित्व एवं विभिन्न योजनाओं की जानकारी मिल सकेगी।

धन्यवाद!

(महेन्द्र बहादुर सिंह)